ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-12-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-04	2024-12-05	2024-12-06	2024-12-07	2024-12-08
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	18.0	17.0	15.0	14.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	4.0	3.0	2.0	1.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	42	42	42	41
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	45	42	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	6	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	320	320	330
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14.0-18.0 डिग्री सेल्सियस और 1.0-5.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-उत्तर दिशा से 4-6 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। आने वाले सप्ताह में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.10-0.30 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 29.11.2024 से 05.12.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति है।

लघु संदेश सलाहकार:

शुष्क मौसम का पूर्वानुमान लगाया गया है, इसलिए शीतकालीन/रबी फसलों की बुवाई कर देनी चाहिए तथा कटी हुई उपज को अच्छी तरह सुखाकर भण्डारित कर लेना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीट की उपस्थिति के मामले में नियमित निगरानी और उपयुक्त नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।
सरसों	फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीट की उपस्थिति के मामले में नियमित निगरानी और उपयुक्त नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	पछेती किस्मों की बुआई की जा सकती है। सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए।
जौ	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी चाहिए और खेत में खाद के लिए गाय के गोबर का उपयोग करना चाहिए।
सब्जी पीईए	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।
गोभी	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।